मेघदूत गार्डन : सुंदरता और स्वच्छता पर धब्बा लगा रही बिगड़ती व्यवस्था

▶ लोगों के लिए भी बन रही परेशानी का कारण

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. शहर का प्रसिद्ध मेघदूत गार्डन, जो कभी अपनी सुंदरता और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए जाना जाता था, अब धीरे-धीरे अव्यवस्थाओं का शिकार होता जा रहा है. कई एकड़ में फैले इस गार्डन की वर्तमान स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है.

गार्डन में पीने के पानी की व्यवस्था बेहद खराब है. यहां केवल तीन आरओ मशीनें ही चालू हैं, जिनमें टैंकर से टंकी में पानी भरा जाता है. बीच गार्डन में लगा आरओ खराब पड़ा है. जबकि पक्के बनाए गए प्याऊ की हालत जर्जर हो चुकी है. ऊंचाई पर स्थित पानी की टंकी में आरओ सिस्टम तक नहीं लगाया गया है और इसे सीधे बोरिंग के पानी से भरा जा रहा है, जिसे लोग पीने के लिए मजबूर हैं. हैरानी की बात यह है कि टंकी की सफाई कब हुई, इसकी कोई तारीख तक दर्ज नहीं है. सुरक्षा के लिहाज से भी गार्डन लापरवाही का शिकार है. पीछे की ओर लगी सुरक्षा जाली कई जगह से टूटी हुई है, जिससे असामाजिक तत्वों का कभी भी प्रवेश संभव है और गार्डन को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है. गार्डन में बनाया गया आर्टिफिशियल झरना भी लंबे समय से बंद पड़ा है. इसके नीचे बने गड्ढे में पानी सड़ रहा है, जिससे दुर्गंध और स्वास्थ्य संबंधी खतरे उत्पन्न हो सकते हैं हैं. स्वच्छता व्यवस्था भी चरमराई हुई है. अधिकांश डस्टबिन टूटे पड़े हैं, जिसके चलते लोग कचरा- जैसे प्लास्टिक बोतलें और स्नैक्स के रैपर- इधर-उधर फेंकने को मजबूर हैं, जिससे गार्डन की साफ-सफाई पर बुरा असर पड़ रहा है.

टिकट केवल ऑनलाइन उपलब्ध

इसके अलावा, गार्डन में प्रवेश के लिए 5 रुपए का टिकट केवल ऑनलाइन ही उपलब्ध है, जिससे विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कई लोगों के पास ऑनलाइन भुगतान की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें दूसरों की मदद लेनी पड़ती है. जबकि टिकट खिड़की पर दो कर्मचारी मौजूद रहते हैं, फिर भी ऑफलाइन टिकट की सुविधा उपलब्ध नहीं है.

डस्टबिन के टेंडर हुए समाप्त

इस पूरे मामले में गार्डन ऑफिसर शांतिलाल यादव से बात की गई. उन्होंने डस्टबिन के लिए टेंडर समाप्त होने की बात कही. पानी की टंकी में टैंकर से पानी भरने और सफाई की तारीख नहीं लिखे जाने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द सफाई करवा कर तारीख अंकित कराई जाएगी. वहीं, टूटे हुए विद्युत पोल के संबंध में उन्होंने इसे विद्युत विभाग को दिखाने की बात कही और स्वयं केवल पेड़-पौधों एवं सामान्य मेंटेनेंस की जिम्मेदारी होने की बात दोहराई.

प्रशासनिक उदासीनता उजागर-कुल मिलाकर, शहर के प्रमुख गार्डनों में शामिल मेघदूत गार्डन की बदहाल स्थिति प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है. यदि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो यह गार्डन अपनी पहचान और आकर्षण खो सकता है.

एक नजर में

एआई+ स्मार्टफोन नोवा 2 की बिक्री फ्लिपकार्ट पर शुरू

इंदौर. एआई+ स्मार्टफोन ने अपनी नई नोवा सीरीज के अंतर्गत अपने नवीनतम डिवाइस नोवा 2 की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है. रोजमर्रा की भरोसेमंद उपयोगिता और आकर्षक व्यक्तिगत शैली को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया एआई+ नोवा 2 की कीमत है- 4जीबी+64जीबी 8,999 और 6जीबी+128जीबी की 10,999 रुपए. एआई+ स्मार्टफोन के संस्थापक और सीईओ माधव शेठ ने कहा नोवा सीरीज हमारे लिए अब तक का सबसे सशक्त प्रदर्शन है, जो दर्शाता है कि एआई+ क्या प्रतिनिधित्व करता है- ऐसी तकनीक जो सुलभ, भरोसेमंद और रोजमर्रा के उपयोग के लिए बनाई गई है. नोवा 2 के साथ हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जो उपयोगकर्ता पहली बार अपग्रेड कर रहे हैं या एआई+ में स्विच कर रहे हैं, उन्हें बिना किसी समझौते के उनकी सभी ज़रूरतें पूरी हों.

अंबुजा सीमेंट्स ने ठेकेदारों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण अपनाने किया प्रेरित

इंदौर. अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स, मध्य प्रदेश में समर्पित ठेकेदारों के कार्य को निरंतर सशक्त बना रही है. खरगोन में एक छोटे से गांव के ठेकेदार आरिफ खान ने मजबूत और भरोसेमंद निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से व्यापक सम्मान हासिल किया है. अपने करियर की शुरुआत से ही उन्होंने केवल अंबुजा सीमेंट्स पर भरोसा किया है, क्योंकि उनका मानना है कि निर्माण के क्षेत्र में स्थायी पहचान सर्वोत्तम सामग्री और सही तरीकों के उपयोग से ही बनती है. आरिफ खान इस ब्रांड को उसके सीमेंट की मजबूती, समय पर डिलीवरी से मिलने वाली सुचारु कार्यप्रणाली, कंपनी की टीम से मिलने वाले तकनीकी मार्गदर्शन और डीलरों व ग्राहकों में पैदा होने वाले भरोसे के लिए महत्व देते हैं.

प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र बना

इंदौर. प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी, इंदौर ने हाल ही में डॉ. मिलिंद पाडलकर को प्रोफेसर और डीन (एकेडमिक्स) के रूप में नियुक्त किया है. इसके साथ ही यूनिवर्सिटी ने अपनी फैकल्टी को और मजबूत करते हुए डॉ. दिनेश शर्मा को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, डॉ. साहिल कालरा को असिस्टेंट प्रोफेसर और डॉ. निशा रॉय को असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में शामिल किया है. इन अपॉइंटमेंट्स पर प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी इंदौर के वाइस चांसलर, प्रो. केयूर पुरानी ने कहा एनईपी ने प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस जैसे ज़रिए काबिल प्रैक्टिशनर्स को एकेडेमिया में लाने के लिए एक कीमती रास्ता बनाया है. हमारे जैसे इंस्टीट्यूशन्स के लिए, यह असल दुनिया के अनुभव को सीधे टीचिंग और करिकुलम में शामिल करके फैकल्टी को मजबूत करने का एक स्ट्रेटेजिक तरीका है.

सैमसंग के साथ मनाएं शुभ अक्षय तृतीया

इंदौर. भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई होम अप्लायंसेज की रेंज पर शुभ अक्षय तृतीया सेल की घोषणा की है. समृद्धि और नई शुरुआत के जश्न को ध्यान में रखते हुए, ये ऑफर्स बचत और लंबे समय तक चलने वाली वैल्यू का बेहतरीन मेल हैं. इनका मकसद ग्राहकों को स्मार्ट और एआई-पावर्ड जीवनशैली अपनाने में मदद करना है. सैमसंग अपने बीस्पोक एआई अप्लायंसेज पर आकर्षक लाभ दे रहा है, जिसमें रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और माइक्रोवेव पर 20,000 रुपए तक का कैशबैक शामिल है. इसके अलावा, ग्राहकों को एयर कंडीशनर पर 5 साल की कॉम्प्रिहेंसिव (पूर्ण) वारंटी मिलेगी. अक्षय तृतीया के ये ऑफर्स 31 मई तक मान्य हैं.

राजीव खंडेलवाल ने तुम हो ना पर किया रैंप वॉक

इंदौर. तुम हो ना के मंच पर एक बेहद भावुक पल देखने को मिला जब राजीव खंडेलवाल ने कंटेस्टेंट अवंतिका को उनके सफर और अधूरे सपनों पर सोचने के लिए प्रेरित किया. अवंतिका से दिल छू लेने वाली बातचीत में राजीव ने कहा आपने अपना मॉडलिंग प्रोफेशन छोड़कर होममेकर का प्रोफेशन चुना. यह बात सीधे दिल को छू गई और अवंतिका ने खुलकर बताया कि अक्सर ऐसे ख्याल उनके मन में आते हैं, हालांकि उन्होंने अपने बनाए हुए जीवन को भी संजोया है. इस भावुक पल का असली मोड़ तब आया जब उनके पति ने बिना शर्त उनका साथ दिया. उन्होंने कहा मैं उसे हमेशा हार बोला है, अगर तुझे करियर शुरू करना है तो मैं हमेशा रुकने के लिए तैयार हूं. मैं घर पर बैठकर बच्चों को संभालने के लिए तैयार हूं. इसके बाद पति ने उन्हें एक जोड़ी हील्स गिफ्ट की और स्टेज पर ही मॉडलिंग की ओर पहला कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया.

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने जल निकायों का निर्माण किया

इंदौर. एचडीएफसी बैंक के मुख्य कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम एचडीएफसी परिवर्तन ने घोषणा की है कि इसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से ज्यादा जल निकायों का निर्माण किया है और उनकी मरम्मत की है. ये निकायें 10,430 से ज्यादा गाँवों में फैले हैं और इनसे 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है. एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा एचडीएफसी बैंक परिवर्तन में हमने समुदायों तक पहुँचने और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने का काम किया है, चाहे पहाड़ों में आइस स्तूप बनाना हो या उन गाँवों में पानी शुद्ध करने वाले प्लांट लगाना हो, जहाँ पहले कभी साफ़ नल का पानी नहीं पहुँचा था. 15,000 से ज्यादा जल संरचनाएँ बनाना और लगभग एक हज़ार गाँवों को सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन हमारी असली सफलता उन खेतों में दिखती है जहाँ अब दूसरी फसल भी उगती है.

चेक और एयू ने क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया

इंदौर. चेक ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी में चेक एयू क्रेडिट कार्ड के लॉन्च की घोषणा की. यह अपनी तरह का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है, जिसका उद्देश्य रोज़मर्रा के पेमेंट को आसान बनाना, रिवॉर्ड्स को अधिकतम करना और भारत की बदलती खर्च करने की आदतों के अनुरूप एक समग्र क्रेडिट अनुभव प्रदान करना है. चेक के फाउंडर और सीईओ, आदित्य सोनी ने कहा जिस चीज़ का लोग रोज़ इस्तेमाल करते हैं, उसमें, क्रेडिट कार्ड्स लंबे समय से लगभग अपरिवर्तित रहे हैं. चेक में हमने इसी सोच को चुनौती देने का फैसला किया, वास्तविक यूज़र व्यवहार और समस्याओं पर गहराई से ध्यान केंद्रित करते हुए. यह कार्ड इसी सोच का स्वाभाविक विस्तार है. एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रमुख, एमडी एवं सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा इस एलईडी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से हम न्यू दौर के उच्च क्रेडिट-योग्य ग्राहकों को एक आसान और आकर्षक वैल्यू प्रपोज़िशन के साथ जोड़ रहे हैं, जो इनोवेशन, स्मार्ट रिवॉर्ड्स और डिज़ाइन के नए मानक स्थापित करता है.

सरकार ने स्वच्छ ईंधन प्रणाली को मजबूत किया

इंदौर. भारत सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुरक्षा, पारदर्शिता और सिस्टम की अखंडता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले स्वच्छ ईंधन के सिस्टम को मज़बूत बना रही है. एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत ने जमाखोरी जैसे गलत तरीकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है, साथ ही देश भर में बिना रुकावट एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है. इसके अलावा टेक्नोलॉजी के उपयोग एवं वितरण नेटवर्क पर कड़ी निगरानी रखते हुए जवाबदेहिता और सर्विस डिलीवरी में सुधार लाया जा रहा है, जिससे सिस्टम में उपभोक्ताओं का भरोसा और बढ़ रहा है. स्वच्छ ईंधन को सुलभ बनाने के लिए व्यापक नीतियों के तहत पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर के तीव्र विस्तार से इन प्रयासों को और गति मिली है. उपलब्धता के स्थिर होने के साथ पारदर्शिता बढ़ रही है, उपभोक्ताओं की सोच में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है. अब उपलब्धता को लेकर चिंता के बजाए और सेवा की विश्वसनीयता पर उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ रहा है.

फ्लिपकार्ट महिलाओं के काम करने का बेहतर स्थान

इंदौर. भफ्लिपकार्ट को ईटी एज ने साल 2026 में महिलाओं के लिए काम करने के सबसे बेहतर संस्थानों की सूची में जगह दी है. फ्लिपकार्ट की यह उपलब्धि एक ऐसे कार्यस्थल का निर्माण करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, जिसमें महिलाएं हिस्सा लेकर बड़े स्तर पर नेतृत्व और विकास कर सकें. इस अवार्ड द्वारा उन संगठनों को सम्मानित किया जाता है, जो समावेशी नीतियां, समान अवसरों और अपनेपन की एक मजबूत संस्कृति द्वारा ठोस परिवर्तन ला रहे हैं. सीमा नायर, चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज़ ऑफिसर, फ्लिपकार्ट ने कहा समानतापूर्ण अवसर प्रदान करने वाले एक समावेशी कार्यस्थल का निर्माण करने के लिए केवल इरादा काफी नहीं है, बल्कि इसके लिए संरचनाबद्ध रूप से केंद्रित होकर काम करना जरूरी होता है. यह सम्मान एक ऐसे सिस्टम का निर्माण करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, जो महिलाओं को फ्लिपकार्ट में आगे बढ़ने, नेतृत्व करने और दीर्घकालिक करियर बनाने में समर्थ बनाता है.

इंस्टाग्राम ने टीन अकाउंट्स का विस्तार किया

इंदौर. आज हम भारत में उम्र के लिए उपयुक्त इंस्टाग्राम के 13+ कंटेंट रेटिंग और लिमिटेड कंटेंट सेटिंग का विस्तार करने की घोषणा कर रहे हैं. इसका मतलब है कि टीनएजर्स को इंस्टाग्राम पर डिफॉल्ट रूप से वही कंटेंट दिखेगा जो उनकी उम्र के हिसाब से उचित फिल्म में दिखाया जाता है. 18 साल से कम उम्र के सभी टीनएजर्स को अपने आप अपडेटेड 13+ सेटिंग में रखा जाएगा. वे माता-पिता की अनुमति के बिना इस सेटिंग से बाहर नहीं निकल सकेंगे. जैसे 13+ रेटेड फिल्म में कभी-कभी थोड़ी संकेतपूर्ण सामग्री या तेज भाषा सुनाई दे सकती है, वैसे ही इंस्टाग्राम पर टीनएजर्स को भी कभी-कभी ऐसी चीजें दिख सकती हैं. लेकिन हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि ऐसी घटनाएं जितना हो सके उतनी कम हों. हमें उम्मीद है कि यह अपडेट माता-पिता को भरोसा दिलाएगा कि हम इंस्टाग्राम पर टीनएजर्स को डिफॉल्ट रूप से सुरक्षित और उम्र के हिसाब से उचित कंटेंट दिखाने का काम कर रहे हैं.

बढ़ती गर्मी के कारण स्कूलों का समय बदला

नवभारत न्यूज़

इंदौर. जिले में लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के समय में बदलाव किया है.

कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालय अब सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगे. हालांकि, परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी.

इसके साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों के समय में भी परिवर्तन किया गया है. अब आंगनवाड़ी सुबह 8.30 बजे से 11.30 बजे तक खुलेंगी, जबकि कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की अन्य गतिविधियां पहले की तरह जारी रहेंगी. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है.

सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट का इंतजार जल्द खत्म होने की उम्मीद

नवभारत न्यूज़

इंदौर. सीबीएसई की 10वीं का रिजल्ट जारी होने के बाद अब 12वीं के छात्रों का इंतजार बढ़ गया है. लाखों छात्र-छात्राएं अपने परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट अप्रैल 2026 के अंत तक जारी किया जा सकता है. संभावना है कि बोर्ड 30 अप्रैल तक नतीजे घोषित कर दें. हालांकि, पिछले वर्षों के ट्रेंड देखें तो कई बार रिजल्ट मई के मध्य में भी जारी हुआ है,

एमआर 12 पर बन रहा है फ्लाईओवर ब्रिज

▶ सिंहस्थ को लेकर तैयारी, उज्जैन रोड से एबी रोड को जोड़ेगा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में उज्जैन सिंहस्थ को लेकर मास्टर प्लान की सड़क एमआर 12 महत्वपूर्ण मानी जा रही है. यही कारण है कि शासन हर तरफ यातायात जाम की स्थिति निर्मित होने से पहले सुविधाओं को देखते हुए नए रास्ते और फ्लाई ओवर ब्रिज बना रहा है. शहर में उज्जैन रोड को सीधे एबी रोड से जोड़ने वाली सड़क पर पीडब्ल्यूडी तीन लेन का ब्रिज बना रहा है.

पीडब्ल्यूडी शहर में मास्टर प्लान की सड़क एमआर 12 पर केलोद हाला गांव पर ब्रिज निर्माण कार्य कर रहा है. पहले उक्त ब्रिज आईडीए बनाने वाला था और 6 लेन ब्रिज की प्लानिंग की गई थी. बाद में पीडब्ल्यूडी और आईडीए के बीच ब्रिज निर्माण को लेकर विवाद हुआ था. भोपाल में प्रमुख सचिव की बैठक में तय किया गया है कि आधा ब्रिज पीडब्ल्यूडी और आधा ब्रिज आईडीए बनाएगा. आधा से मतलब एक हिस्सा तीन लेन का पीडब्ल्यूडी और एक तीन लेन का हिस्सा आईडीए बनाएगा. पीडब्ल्यूडी चूंकि टेंडर कर चुका था, इसलिए पीडब्ल्यूडी द्वारा तीन लेन के हिस्से का ब्रिज निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है और ब्रिज के पियर जमीन से बाहर दिखाई देने लगे है. उक्त ब्रिज को पूरा करने का समय दो साल तय किया गया है, जिसमें रेलवे स्पान का हिस्सा रेल विभाग करेगा.

ब्रिज निर्माण को लेकर यूं हुआ था विवाद

आईडीए ने एमआर 12 पर 6 लेन फ्लाई ओवर ब्रिज के लिए रेलवे से एनओसी ले ली थी. निर्माण के टेंडर भी हो चुके थे, लेकिन 6 लेन ब्रिज के थे. पीडब्ल्यूडी की ओर आया कि उक्त स्थान के टेंडर और वर्क ऑर्डर हमने जारी कर दिए है. इसमें पीडब्ल्यूडी ने सिर्फ एक तरफ का ही तीन लेन फ्लाई ओवर का टेंडर किया था, जबकि आईडीए पूरा 6 लेन का टेंडर जारी करने वाला था. उक्त ब्रिज निर्माण को लेकर दोनों विभागों में खींचतान मची और कार्रवाई रुक गई. फिर मामला सरकार के दो विभागों के वरिष्ठ अधिकारी ने बैठकर सुलझाया. ब्रिज निर्माण कार्य शुरू हुआ है. **एमआर 12 ब्रिज** -निर्माण एजेंसी - केटी कंस्ट्रक्शन निर्माण लागत - 31.50 करोड़ (रेलवे स्पान को छोड़कर) ब्रिज की लबाई - 610 मीटर और चौड़ाई 3 लेन निर्माण। समय - 24 महीने (दो साल) ब्रिज में रेलवे स्पान - 46 मीटर लंबा और तीन लेन चौड़ा रेलवे स्पान का खर्च - 50 प्रतिशत पीडब्ल्यूडी और 50 रेल विभाग उठाएगा.

फर्जी प्रचार, जबरन प्रवेश और बोर्ड पर उठे सवाल

▶ डेली कॉलेज में ओल्ड डेलियंस का विवाद

नवभारत न्यूज़

इंदौर. डेली कॉलेज में 2026 के बोर्ड चुनाव के बाद विवाद लगातार गहराता जा रहा है और अब मामला कानूनी व प्रशासनिक स्तर तक पहुंच गया है. क्राइम ब्रांच ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, वहीं तीन आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका 16 अप्रैल 2026 को कोर्ट ने खारिज कर दी.

विवाद की एक बड़ी वजह 'वॉइस ऑफ डीसी' नाम से चलाए गए कथित फर्जी सोशल मीडिया अभियान को बताया जा रहा है, जिसके जरिए कॉलेज प्रबंधन और महिला कर्मचारियों की छवि खराब करने के आरोप लगे हैं. साथ ही चुनाव को प्रभावित करने के लिए भ्रामक कंटेंट फैलाने की शिकायत भी सामने आई है.

चुनावी प्रक्रिया और संविधान में प्रस्तावित बदलावों को लेकर ओल्ड डेलियन्स ने विरोध जताया है. पूर्व छात्र राजेश अग्रवाल का आरोप है कि चुनाव टालने और चयन प्रक्रिया लागू करने की कोशिश हो रही है, जिससे पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है. दूसरी ओर, डेली कॉलेज प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए प्रेस रिलीज में कहा कि हाल ही में एक बैठक के दौरान सिर्फ 5 लोगों को अनुमति थी, लेकिन संदीप पारेख के नेतृत्व में 35-40 लोग परिसर में पहुंचे, जिसे दबाव बनाने की कोशिश बताया गया. उस समय परिसर में विद्यार्थी मौजूद थे, जिससे सुरक्षा पर भी सवाल उठे.

करीब 400 ओल्ड डेलियन्स ने हस्ताक्षर कर संदीप पारेख को बोर्ड से हटाने की मांग की है और इसकी शिकायत प्रशासन तक भेजी गई है.

अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

सोसायटी का कहना है कि लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं और पहले ही सभी मुद्दों पर स्पष्टीकरण दिया जा चुका है. हालांकि, विवाद सुलझाने के लिए जल्द बैठक बुलाने की बात कही गई है. साथ ही प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है.

दादी रतनमोहिनी का जीवन था प्रेरणा स्त्रोत

इंदौर. ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका एवं युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी की प्रथम पुण्यतिथि को न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर ओमशांति भवन में विश्व एकता दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया.

इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने दादीजी के संग बिताए अनुभवों को साझा करते हुए कहा की दादी रतनमोहिनी यज्ञ स्थापना के समय से ही 12 वर्ष की अल्पायु में ज्ञान में आ गई और 101 वर्ष की आयु तक जीवन पर्यंत अथक होकर विश्व कल्याण की सेवा में तत्पर रही. उनकी ईश्वरीय पढ़ाई की लगन को देखते पिताश्री ब्रह्मा बाबा ने उन्हें 1954 में सर्वप्रथम जापान की धरनी पर विश्व शांति सम्मेलन में भाग लेने भेजा. दादीजी का जीवन लाखों आत्माओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत था. कस्टम विभाग के कमिश्नर दिनेश बिसेन, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर बी.एल. पाटीदार, नगर निगम के पूर्व सिटी इंजीनियर महेश शर्मा, उद्योगपति अमीन वैद्य, डॉ. गिरीश टावरी, डॉ. संगीता टावरी सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने दादीजी को भावपूर्ण आदरांजलि दी.

व्यंग्य टिंचर आयोडीन की तरह है जो जलन करता है, लेकिन घाव को कर देता है ठीक

इंदौर. नगर की साहित्य संस्था क्षितिज के द्वारा किए गए आयोजन में शहर के ख्यात व्यंग्यकार और लेखक नंदकिशोर बर्वे के नवीन व्यंग्य संग्रह काले धन के बोनसाई पर श्री अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय के गोष्ठी कक्ष में आयोजित पुस्तक चर्चा में वरिष्ठ साहित्यकार श्री सूर्यकांत नागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यंग्य टिंचर आयोडीन की तरह है जो जलन करता है लेकिन वह घाव को ठीक कर देता है. लेखक नंदकिशोर बर्वे एक कथाकार भी हैं, उनकी कहानियों में भी व्यंग्य दिखता है.

वरिष्ठ व्यंग्यकार जवाहर चौधरी ने पुस्तक पर चर्चा करते हुए कहा कि व्यंग्य लेखन बहुत आसान काम नहीं है. क्रोध से व्यंग्य का जन्म होता है. व्यंग्य लिखना साहस का काम है. वरिष्ठ साहित्यकार एवं लघुकथाकार योगेन्द्रनाथ शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यंग्य परंपरा अत्यंत प्राचीन है. हमारे यहां लोकगीतों, मुहावरे, कहावतें में यह प्रचुर मात्रा में विद्यमान है. व्यंग्यकार समाज सुधारने के लिए सिग्नल देता है, इसलिए प्रत्येक व्यंग्यकार समाज सुधारक होता है. लेखक की कृति में समयबोध स्पष्ट झलकता है और समाज में हो रहे हो सामाजिक मूल्यों की बुराइयों पर लेखक ने शिष्ट प्रहार किए हैं. अतिथियों का स्वागत अश्विनीकुमार दुबे, ब्रजेश कानूनगो और नंदकिशोर बर्वे द्वारा किया गया.

एक नजर में ▶ मप्र टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में जेडीए के इनकम टैक्सेशन पर भ्रांतियां दूर करने सेमिनार

जेडीए की ड्रॉफ्टिंग सावधानी से एक्सपर्ट की सलाह से ही करना चाहिए

इंदौर. मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (एमपीटीसीए) द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र में आयकर अधिनियम के जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट (जेडीए) के इनकम टैक्सेशन पर विभिन भ्रांतियों को दूर करने हेतु एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया.

मुख्य वक्ता नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सीए पंकज सराओगी ने बताया कि रियल एस्टेट क्षेत्र में जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट (जेडीए) तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसमें भूमि स्वामी एवं डेवलपर मिलकर परियोजना का विकास करते हैं. इस व्यवस्था में कराधान के नियमों को लेकर लंबे समय से जटिलताएँ बनी रही हैं, जिन्हें आयकर अधिनियम में समय-समय पर संशोधनों के माध्यम से स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है. उन्होंने बताया कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2(47) के अनुसार, यदि भूमि का कब्जा डेवलपर को दे दिया जाता है, तो इसे 'ट्रांसफर' माना जा सकता है, जिससे पूंजीगत लाभ कर लागू हो सकता है. इसके अतिरिक्त, धारा 194-आईसी के अंतर्गत डेवलपर द्वारा भूमि स्वामी को दी गई नकद राशि पर 10% टीडीएस काटा जाना अनिवार्य है. वहीं, स्टाम्प ड्यूटी वैल्यू से संबंधित प्रावधान भी ऐसे लेनदेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. कुल मिलाकर, जेडीए से जुड़े आयकर प्रावधानों को समझना करदाताओं एवं डेवलपर्स दोनों के लिए आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार के विवाद एवं कर जोखिम से बचा जा सके. उन्होंने कहा कि जेडीए की ड्राफ्टिंग पूर्ण सावधानी एवं भविष्य के टैक्सेशन को ध्यान में रखकर एक्सपर्ट की सलाह से हो करना चाहिए. सेमिनार का संचालन एमपीटीसीए के सचिव सीए शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने किया. धन्यवाद उपाध्यक्ष राकेश मेहता ने दिया. इस अवसर पर सीए डॉ अभय शर्मा, अनिल गर्ग, प्रणय गोयल, कीर्ति जोशी, आनंद जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे.

एक हजार से ज्यादा नोटिस जारी किए

एमपीटीसीए इंदौर जोन के चेयरमैन सीए एसएन गोयल ने बताया कि रियल एस्टेट में आई जबरदस्त तेजी के कारण डेवलपर्स के लिए जमीन खरीदने के स्थान पर भू स्वामी के साथ जेडीए (जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट) का चलन काफ़ी बढ़ गया है. जेडीए का टैक्सेशन इनकम टैक्स में स्पेसिफिक प्रोविजंस के द्वारा किया जाता है जो कि काफ़ी कॉम्प्लिकेटेड है. सेशन चेयरमैन सीनियर एडवोकेट सीए सुमित नेमा ने बताया कि हाल ही में आयकर विभाग की इंदौर इन्वेस्टीगेशन विंग ने पुराने जेडीए एग्रीमेंट के संबंध में करीब एक हज़ार से ज़्यादा नोटिस जारी किए हैं. जिनका कंप्लायंस नियमानुसार किया जाना आवश्यक है.